

# अध्यात्म, विज्ञान व पर्यावरण के साथ जीवन मूल्य, शांति, प्रेम और पवित्रता पर दिया वक्ताओं ने जोर

» ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन में वैश्विक शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन

» देश विदेश से पहुंची शिखरियों ने अध्यात्म, विज्ञान, पर्यावरण के साथ जीवन मूल्य, मानव जीवन का लक्ष्य, शांति, प्रेम और पवित्रता पर जोर दिया

**शांतिवन।** खुले सत्र में उत्तर प्रदेश की महिला, परिवार व बाल कल्याण एवं टूरिज्म मंत्री रीत बहुगुणा जोशी ने कहा कि लीडर वही होता है जो अपनी विद्या में कीर्तिमान स्थापित करे। ब्रह्मा बाबा ने ऐसे समय में बेटियों को आगे बढ़ाया जब भारत की लड़कियों को शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति नहीं थी। ब्रह्मा द्वारा लगाया गया एक छोटा सा पौधा आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। हमने दुनिया को अनेक धर्म और फिलॉसफी दी है। मंत्री बहुगुणा ने कहा कि यहाँ हर धर्म, जाति और संप्रदाय के लोग हैं, ये हमारे देश की महानता और अध्यात्म का ही कमाल है। अपनी चेतना और वजूद को समझना ही अध्यात्म है। आध्यात्मिक शक्ति का ही कमाल है जो स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपने उद्बोधन से विश्वभर में आध्यात्मिक संदेश दिया था। कार्यक्रम में बाली इंडोनेशिया से आये कलाकारों ने भरत नाट्यम पर प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही देशभर से आए पर्यावरणविदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया।

**यू.एस.ए. से आई सीनियर जर्नलिस्ट व टी.वी. एंकर रोलोंडो वाट** ने कहा कि मैं कर्मों की पारदर्शिता पर विश्वास करती हूँ। हम सभी में प्रेम और शांति होनी चाहिए। ईश्वर के बिना जीवन अंधकारमय हो जाता है।

मुंबई से आए टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के डेप्युटी डायरेक्टर पद्मश्री प्रो. रामाकृष्णा वी. होसुर ने कहा कि ईमानदारी, सत्यता, दृढ़ता, नम्रता वैज्ञानिक पद्धति से विकसित नहीं होगी। इसके लिए अध्यात्म ज़रूरी है। अंतश्चेतना में ही झांकने से परमात्मा की



कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों हेतु संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने मोमेटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही परिवार व बाल कल्याण एवं टूरिज्म मंत्री रीत बहुगुणा तथा गणमान्य अतिथि।

**ब्रह्माकुमारी फील्ड में कार्य कर रही : वरिष्ठ वैज्ञानिक मेहता**

डिफेंस मंत्रालय डी.आर.डी.ओ. के महानिदेशक वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रवीण कुमार मेहता ने कहा कि यहाँ आकर पॉजिटिव और स्पीरिचुअलिटी के वायब्रेण्ड्स महसूस किए। जाना कि कैसे हम आत्मा को परमात्मा से जोड़ सकते हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था फील्ड में कार्य कर रही है। ये संस्थान आत्मा के उत्थान और स्वर्णिम दुनिया लाने का कार्य कर रही है।

अनुभूति होगी। भगवद्गीता के ज्ञान को आत्मसात करने की ज़रूरत है। कर्नाटक के विधानसभा उपाध्यक्ष एम. कृष्णा रेड्डी ने कहा कि इस संस्था की पहचान शांति और पवित्रता से है। 103 वर्षीय दादी जानकी हमारे सामने आदर्श हैं। समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

यहाँ से विश्व में अध्यात्म और मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

**नेपाल से आई विधायक अनीता देवकोटा** ने कहा कि यहाँ से वसुधैव कुटुम्बकम और सकारात्मक सोच का संदेश दिया जा रहा है। भौतिक विज्ञान से जीवन सार्थक नहीं होगा। इसके लिए

यहाँ से विश्व में अध्यात्म और मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

**घटता भू गर्भीय जलस्तर चिंता का विषय : अय्यप्पा**

बैंगलुरु जल साक्षरता नींव के संस्थापक जल योद्धा अय्यप्पा मसाजी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी पर्यावरण व जल संरक्षण को लेकर संदेश दे रही हैं। घटता भू गर्भीय जलस्तर चिंता का विषय है। जल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर जन जागरूकता की ज़रूरत है। दिल्ली की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. पुष्पा ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा शांति की गहन अनुभूति कराई।

अध्यात्म विज्ञान को अपनाना होगा। **बॉलीवुड व टी.वी. एक्ट्रेस सुष्मा सेठ** ने कहा कि यहाँ आकर सभी का व्यवहार देख आनंद आया। संस्था ने विश्वभर में जो बदलाव लाया है, इससे आज विश्वभर के लोग हमारा अध्यात्म और योग सीख रहे हैं।

**लीडरशिप की सोच बदलनी होगी : मंत्री सुधीर**

महाराष्ट्र के वित्त, निर्माण और वन मंत्री सुधीर मुंगातिवर ने कहा कि आज इस देश के लीडरशिप में इस सोच को भरना होगा कि हम गलत कामों से, गलत कृति से, गलत विचारों से आगे देश को नहीं चलाएंगे तो हमारा देश उस नेतृत्व में चलेगा कि विज्ञान कितना भी आगे बढ़े, राजराज्य की सोच कायम रहेगी। देश आर्थिक दृष्टि से कितना भी सम्पन्न रहे। किंतु हमारा देश श्रीकृष्ण, श्रीराम, बुद्ध, महावीर का है। इस देश का अध्यात्म नहीं बदलेगा। अध्यात्म हमें सिखाता है कि ज्योत से ज्योत जलाते चलो व प्रेम की गंगा बहाते चलो।

**जीवन जीने की कला सिखा रही**

**ब्रह्माकुमारी : मंत्री वीरेंद्र कंवर**

हिमाचल प्रदेश के ग्राम विकास व पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था जीवन जीने की कला सिखा रही है। भारत की संस्कृति व मूल्यों को फिर से विश्वभर में फैला रही है। पश्चिम की सोच और हमारी सोच में भारी अंतर है। पश्चिम के लोग विश्व को व्यापार की दृष्टि से देखते हैं। हमारी संस्कृति सिखाती है कि विश्व एक परिवार है। विज्ञान को अध्यात्म से जोड़कर इसके दुष्परिणाम कम कर सकते हैं।

सोशल सर्विस विंग के अध्यक्ष ब्र.कु. अमीरचंद, मीडिया विंग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. आत्म प्रकाश, ब्रह्माकुमारी इंडोनेशिया बाली की डायरेक्टर ब्र.कु. जानकी, मेडिकल विंग के अध्यक्ष और मुम्बई बीएसईएस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अशोक मेहता ने भी विचार रखे। संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शशी ने किया। आभार डॉ. बनारसीलाल शाह ने जताया।

**सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस ने किया पांडव भवन का अवलोकन**



**माउण्ट आबू।** सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पांडव भवन का अवलोकन किया। जस्टिस मिश्रा के संगठन के मुख्यालय परिसर पहुंचने पर खेल प्रभाग की उपाध्यक्ष ब्र.कु. शशि, शिक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष ब्र.कु. शीलू व संस्थान के अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। जस्टिस मिश्रा व उनकी पत्नी ने संगठन के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के स्मृति में बने शांति स्तम्भ पर श्रद्धासुमन अर्पित कर देश के सुख, समृद्धि व खुशहाली की कामना की। उन्होंने ध्यान योग कक्ष में राजयोग का अभ्यास कर शांति की अनुभूति की। जस्टिस मिश्रा ने संगठन के संस्थापक ब्रह्मा बाबा का कमरा, हिस्ट्री हॉल, बाबा की तपस्यास्थली कुटिया आदि का भी अवलोकन किया।

## जीवन को वाह वाह बनाने के लिए छोटी छोटी बातों को चित्त का हिस्सा न बनने दें

» **डिटैच होकर कर्म करेंगे, तो सभी के प्रिय बन जायेंगे** » **सुबह उठकर मोबाइल देखने के बजाय परमात्मा का स्मरण करें** » **सदा विशेषतायें ही देखने की आदत डालें**

**रायपुर-छ.ग.।** जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि नवरात्रि से पहले घर की सफाई के साथ साथ अपने संस्कारों की भी सफाई करें। आसुरी वृत्तियों का नाश होने के बाद ही आह्वान करना चाहिए। यही नवरात्रि मनाने की विधि है। हमेशा सोचें कि मैं दिव्य और शक्तिशाली आत्मा हूँ। परमात्मा की सन्तान हूँ। इससे कमजोरियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

ब्रह्माकुमारी शिवानी इनडोर स्टेडियम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित 'वाह जिन्दगी वाह' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। विशेषज्ञ ने कहा कि सारे दिन में हम जिन लोगों के सम्पर्क में आते हैं, उनकी कमी कमजोरियों का चिंतन करते करते वह हमारे चित्त का हिस्सा बन जाते हैं। इसलिए हमेशा दूसरों की विशेषताएं देखने की आदत डाल



इनडोर स्टेडियम में शहर के हजारों प्रबुद्ध जनों को जीवन को वाह! वाह! बनाने की विधि बताते हुए प्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी।

लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूजा मत करो बल्कि दैवी गुणों को धारण करके पूजनीय बनें।

उन्होंने कहा कि रोज सुबह उठकर मोबाइल चेक करने की बजाए परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। हम लोग जीवन में छोटी छोटी बातों को पकड़कर बैठ जाते हैं। चिन्तन करके उन कमजोरियों को निकालने का प्रयास करना

चाहिए। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि आज उन कमजोरियों को स्वाहा कर दें। अपने श्रेष्ठ तकदीर की वाह वाह कर स्वयं को सम्मानित करें, एप्रीशिएट करें। इससे ही जीवन अति सुंदर बनेगा और उमंग उत्साह बना रहेगा। जीवन स्वयं तथा दूसरों के लिए भी सुकून भरा बन जायेगा।

उन्होंने श्राध के दिनों को याद करते हुए कहा कि यह हमें याद दिलाते हैं कि एक दिन हमें भी इस दुनिया से जाना है। इसलिए हमें अपने संस्कारों में दिव्यता लाने के विचार को प्रबल बनाकर पुरुषार्थ करना चाहिए क्योंकि यही वह सम्पत्ति है जो कि आत्मा शरीर छोड़ने पर अपने साथ लेकर जाती है। यदि किसी वस्तु या वैभव में हमारी

बुद्धि अटकी हुई होगी तो वही चीज हमें अंत में याद आयेगी। परमात्मा याद नहीं आयेगा। हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए कि हम समाज में रहते हुए भी सबसे डिटैच रहें। अर्थात् कर्म किया और उससे न्यारे हो गये। यही कर्म हमें सभी का प्रिय बनायेगा।

इस अवसर पर ब्र.कु. शिवानी और फिल्म अभिनेता सुरेश ओबरॉय का कृषि एवं जल संसाधन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य सचिव अजय सिंह, महापौर प्रमोद दुबे, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने शॉल और श्रीफल भेंटकर अभिनन्दन किया। समारोह को क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने भी सम्बोधित किया। प्रारम्भ में ब्र.कु. युगरत्न ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर कर दिया। संचालन छत्तीसगढ़ योग आयोग की सदस्या ब्र.कु. मंजू ने किया।

**राजयोग मेडिटेशन से बदल गई आदतें - ओबरॉय**

फिल्म अभिनेता सुरेश ओबरॉय ने सभा में उपस्थित लोगों को राजयोग मेडिटेशन सीखने का सुझाव देते हुए बतलाया कि मेडिटेशन से जीवन में शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि पहले वह छोटी छोटी बातों से चिढ़ जाते थे। देह अंहकार के कारण गुस्सा करना उनकी आदत बन चुकी थी। लेकिन ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़ने के बाद राजयोग का अभ्यास करते हुए मेरा खान पान, दिनचर्या व खराब आदतें सब कुछ बदल गया। संस्कार बदलना बहुत मुश्किल होता है किन्तु राजयोग के नियमित अभ्यास से संस्कार बदल जाते हैं।

